1 (Sem-1/FYUGP) HIN 41 MN/(A)

2025

HINDI

(Minor)

Paper : HIN4100104MN

(हिन्दी सम्प्रेषण)

(Set–A)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'व' ध्वनि का उच्चारण किन दो उच्चारण अवयवों के संयोग से होता है?

(ख) प्रातःकाल अभिवादन के लिए प्रयोग होने वाला एक शब्द लिखिए।

(ग) 'सम्प्रेषण' शब्द के लिए प्रयुक्त होने वाला अंग्रेजी शब्द क्या है?

(घ) किसी कार्यालय में नियुक्ति हेतु अधिकारी को लिखा गया आवेदन-पत्र औपचारिक है या अनौपचारिक?

(ङ) छात्र-प्रधानाध्यापक के बीच पत्र-व्यवहार करते समय 'मान्य महोदय' किस उद्देश्य से लिखा जाता है?

(च) हिन्दी की कंठ्य ध्वनियों के दो उदाहरण लिखिए।

(छ) 'ऊँची दुकान फीके पकवान' —लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

(ज) अनुज के लिए पत्र लिखते समय अग्रज द्वारा 'शुभाशीर्वाद' अभिवादन सही है या गलत?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) 'अ' ध्वनि की कोई दो औच्चारणिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) मूर्धा और जीभ के स्पर्श से बोली जाने वाली दो ध्वनियों के उदाहरण दीजिए।

(ग) औपचारिक पत्र-लेखन की दो उपयोगिताएँ बताइए।

(घ) डाकघर से संबंधित दो पारिभाषिक शब्दों के उदाहरण दीजिए।

(ङ) लोकोक्ति किसे कहते हैं?

(च) अनौपचारिक पत्र-लेखन की दो विशेषताएँ लिखिए।

(छ) मौखिक सम्प्रेषण की किन्हीं दो कमियों का उल्लेख कीजिए।

(ज) संक्षेपण के कोई दो गुण बताइए।

(झ) 'मुँह' पर बने किन्हीं दो मुहावरों के अर्थ-सहित उदाहरण दीजिए।

(ञ) किसी कार्यालय-अधिकारी से विचार-विनिमय का एक अति संक्षिप्त उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) सम्प्रेषण के किन्हीं तीन साधनों का विवेचन कीजिए।

(ख) एक व्यक्ति बैंक में नया खाता खोलना चाहता है। बैंक कर्मचारी और उस व्यक्ति के बीच होने वाले वार्तालाप का एक संक्षिप्त उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ग) श-ष-स की उच्चारण संबंधी विशेषताओं का अति संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

(घ) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

अंगारों पर पैर रखना ; सिर पर सवार होना ; तिल का ताड़ करना ; गड़े मुर्दे उखाड़ना ; किताब का कीड़ा होना।

(ङ) 'दैनिक भास्कर' अखबार के कार्यालय में संवाददाता (पत्रकार) के पद पर नियुक्ति हेतु संपादक महोदय को एक आवेदन-पत्र लिखिए।

(च) किसी अपरिचित व्यक्ति से भेंट होने पर उसका परिचय लेने तथा अपना परिचय देते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(छ) ''आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिए। मानवता एक सागर की तरह है; अगर सागर की कुछ बूँदें गंदी हैं, तो सागर गंदा नहीं हो जाता।'' राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के इस कथन का भाव-पल्लवन कीजिए।

(ज) उपयुक्त शीर्षक देकर निम्नलिखित गद्यांश का लगभग एक-तिहाई में संक्षेपण कीजिए :

''भारत एक बहुसांस्कृतिक देश है जहाँ विभिन्न धर्मों, भाषाओं, परम्पराओं और जीवन-शैलियों का अद्‌भुत समन्वय देखने को मिलता है। भारत की इसी सांस्कृतिक विविधता ने उसे विश्व में एक विशेष पहचान दिलाई है। यहाँ हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन सहित अनेक समुदाय सदियों से साथ रह रहे हैं और अपनी-अपनी परंपराओं को बनाए रखते हुए भी एक-दूसरे का सम्मान करते आए हैं। भारतीय बहुसंस्कृति का सबसे बड़ा आधार इसकी भाषाई विविधता है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं परन्तु फिर भी लोग आपसी सहयोग और सौहार्द की भावना रखते हैं। इसी प्रकार भोजन, वेशभूषा, त्योहार और लोक परम्पराएँ भी प्रदेश के अनुसार बदलती रहती हैं जिससे भारत में सांस्कृतिक रंगों

की सुंदर विविधता दिखाई देती है। त्योहार भारत की बहुसंस्कृति का जीवंत रूप हैं। दीवाली, ईद, गुरुपर्व, क्रिसमस, बिहू, पोंगल, होली और ओणम जैसे त्योहार विभिन्न समुदायों को जोड़ते हैं और 'सर्वधर्म समभाव' की भावना को मजबूत करते हैं। भारतीय कला, संगीत, नृत्य और साहित्य भी इस बहुसांस्कृतिक स्वरूप को समृद्ध बनाते हैं। भारत की बहुसंस्कृति केवल विविधता का प्रतीक नहीं है बल्कि यह परस्पर सम्मान, सहिष्णुता और एकता की भावना को भी दर्शाती है। यह देश को सामाजिक दृष्टि से मजबूत बनाती है और विश्व के सामने सह-अस्तित्व का एक आदर्श प्रस्तुत करती है। भारत की बहुसंस्कृति उसकी सबसे बड़ी शक्ति है जो इसे पूरे विश्व में अनोखा, समृद्ध और सम्पन्न बनाती है।''

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) सम्प्रेषण से आप क्या समझते हैं? सम्प्रेषण के प्रकारों का उल्लेख करते हुए इसकी उपयोगिता का विवेचन कीजिए।

(ख) साक्षात्कार का सामना किन तरीकों से, किन सावधानियों और किन व्यावहारिक बातों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए?

(ग) आप उच्च शिक्षा हेतु अपने घर से दूर किसी अन्य शहर में अध्ययनरत हैं। वहाँ के जीवन, पढ़ाई और शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में बताते हुए अपनी माँ को एक पत्र लिखिए।

(घ) निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए :

(i) खेल-कूद का महत्त्व

(ii) डिजिटल भारत : संभावनाएँ और चुनौतियाँ

(iii) भारतीय त्योहार और उनकी उपयोगिता

(ङ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"नैतिकता मनुष्य के व्यक्तित्व का वह आधार है, जो उसके व्यवहार, निर्णय और जीवन-दृष्टि को दिशा देती है। यह ऐसे मूल्यों पर आधारित होती है, जो व्यक्ति को ईमानदार, सहानुभूतिशील और जिम्मेदार बनाती है। नैतिक व्यक्ति केवल अपने हित की चिंता नहीं करता बल्कि समाज और दूसरों के कल्याण को भी महत्त्व देता है। जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों में भी नैतिकता ही वह शक्ति है, जो व्यक्ति को गलत रास्ते पर जाने से रोकती है। आधुनिक समय में जब प्रतिस्पर्धा और भौतिक सुविधाएँ लगातार बढ़ रही हैं, नैतिकता का महत्त्व और भी बढ़ गया है। कई लोग सफलता पाने के लिए अनैतिक तरीकों का उपयोग करने लगते हैं, जिससे समाज का संतुलन बिगड़ता है। ऐसे माहौल में नैतिक मूल्य व्यक्ति को स्थिर रखते हैं और उसे सही निर्णय लेने में सहायता करते हैं। नैतिकता का निर्माण परिवार, विद्यालय, समाज और साहित्य के माध्यम से होता है। बच्चों को बचपन से ही सत्य बोलना, नियमों का पालन करना, दूसरों के प्रति सम्मान दिखाना और सहयोगी बनना सिखाया जाता है। जब व्यक्ति इन मूल्यों को जीवन में अपनाता है तभी

वह एक अच्छा नागरिक बन पाता है। इस प्रकार नैतिकता न केवल व्यक्ति के चरित्र को मजबूत करती है बल्कि समाज को भी अधिक सुरक्षित और सहज बनाती है।''

प्रश्नावली :

(i) नैतिकता मनुष्य के जीवन में क्या भूमिका निभाती है? 2

(ii) नैतिकता व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में कैसे मार्गदर्शन देती है? 2

(iii) आधुनिक समय में नैतिकता का महत्त्व क्यों बढ़ गया है? 2

(iv) नैतिकता किन-किन माध्यमों से विकसित होती है? 2

(v) गद्यांश के अनुसार नैतिकता समाज को किस प्रकार सुरक्षित बनाती है? 2

★★★